ठेकेदार के कर्मचारियों को धमका रहे रेत माफिया

विवाद करने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

शहडोल, देशबन्धु। जिले में रेत को लेकर आए दिन विवाद की स्थित निर्मित हो रही है। ताजा मामला बुढ़ार थाना क्षेत्र के लालपुर में सराफा नाला के पास में सामने आया है। यहां स्थानीय रेत का अवैध उत्खनन करने वाले ट्रैक्टर मालिकों और रेत कंपनी ठेकेदार के कर्मचारियों के बीच रेत चोरी कर नहीं ले जाने को लेकर बाद विवाद हो गया । इतना ही नहीं स्थानीय ट्रैक्टर मालिकों ने रेत ठेकेदार के कर्मचारियों को फर्जी मामले में फंसाने की धमकी के साथ साथ गोली मारने की भी धमकी दी। धमकी देने का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। रेत ठेका कर्मचारियों ने बुढार थाने में इस संबंध में एक शिकायत दी है।

शहडोल जिले में सहकार ग्लोबल कंपनी का रेत का ठेका है, जहां स्वीकृत रेत खदानों से रेत का विक्रय करते है। लेकिन जिले में सक्रिय कुछ ट्रैक्टर मालिक रेत की चोरी कर न केवल राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसी रेत चोरी को रोकने के लिए कंपनी के कुछ कर्मचारी ट्रैक्टर मालिकों को समझाइश देने पहुंचे। तभी बड़ी संख्या में मौजूद ट्रैक्टर मालिक कंपनी के कर्मचारियों को देख कर भड़क गए और विवाद करने लगे। इस पूरे मामले में बुढ़ार थाना प्रभारी संजय जायसवाल का कहना है कि एक शिकायत आई है, उसकी तस्दीक की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच के उपरांत विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

सात फीट लंबा मगरमच्छ मिलने से गांव में हड़कंप

दमोह, देशबन्धु। जिले में ठंड के मौसम में भी मगरमच्छ निकलने का सिलसिला जारी है। शनिवार रात वन परिक्षेत्र झलौन के अंतर्गत गुहची गांव के समीप एक नाले में सात फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई दिया। मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मगरमच्छ का रेस्क्यू किया और उसे नदी में सुरक्षित छोड़ दिया। बता दें कि दमोह जिले की ब्यारमा नदी और जलाशयों में सैकड़ों मगरमच्छ हैं। बारिश के मौसम में ये मगरमच्छ अक्सर रहवासी इलाकों में पहुंच जाते हैं। हालांकि, अब ठंड के मौसम में भी ये सुरक्षित स्थानों की तलाश में निकल रहे हैं। गुहची गांव का नाला ब्यारमा नदी से जुड़ा हुआ है। अधिक बारिश के दौरान मगरमच्छ नाले में आ जाते हैं और जैसे ही नाला सूखने लगता है, ये बाहर निकलने लगते हैं। शनिवार रात को भी ऐसा ही हुआ। सात फीट लंबा मगरमच्छ नाले से बाहर निकल आया। ग्रामीणों ने उसे देखकर तुरंत वन विभाग को सूचित किया।

वनपाल भगवान दास विश्वकर्मा, शंकर सिंह ठाकुर और शुभम सिंह ने ग्रामीणों के सहयोग से मगरमच्छ को पकड़ा और रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की एक नदी में छोड़ा। रेस्क्यू के दौरान मगरमच्छ ने कई बार रस्सी को दांतों से काटने की कोशिश की, लेकिन वनकर्मियों ने सावधानीपूर्वक उसे रस्सियों से बांधकर वाहन में रखा और नदी में छोड़ने का काम सफलतापूर्वक पूरा किया।

देहदान कर उदाहरण पेश कर गए बेलाराम जगवानी

शहडोल, देशबन्धु। सेवानिवृत व्याख्याता बेलाराम जगवानी के निधन के बाद परिवार जनों ने उनकी पार्थिव देह मेडिकल कॉलेज को दान कर दी। शहडोल के बेलाराम जगवानी पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिनका पार्थिव देह मेडिकल कॉलेज को दान किया गया हुआ है। श्री जगवानी का निधन बीती रात हुआ है।

बेलाराम जगवानी का जन्म सिंध प्रांत के शहर लारकाना जिला दादू में 2 मई 1944 को हुआ था। शहडोल के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से प्रथम बैच में एम.एस.सी करने के बाद उन्होंने व्याख्याता के रूप में शहडोल के रघुराज हायर सेकेंडरी स्कूल में सेवाएं दीं। इसके बाद कई अन्य स्कूलों में भी व्याख्याता के रूप में सेवाएं देते हुए पदोन्नत होकर वे प्राचार्य कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल पुरानी बस्ती से सेवानिवृत हुए। प्रारंभिक काल से ही बेलाराम जी सामाजिक सेवा मानव सेवा से जुड़े हुए थे। इसी तारतम्य में परिवार के सभी सदस्यों को मानते हुए बच्चों को समझाइए देकर उन्होंने देह दान का संकल्प लिया। 18 जुलाई 2019 को बेलाराम जगवानी जी ने शहडोल मेडिकल कॉलेज में देहदान का आवेदन दिया। 23 नवंबर को बेलाराम जी का स्वर्गवास होने के बाद उनके पार्थिव शरीर को रविवार को शहडोल मेडिकल कॉलेज में देहदान के रूप में उनके परिवार द्वारा शहडोल संभाग के प्रथम देहदानकर्ता के रूप में दिया गया।

सार-समाचार

जिला स्तरीय रोजगार मेला 29 नवम्बर को

पन्ना, देशबन्धु। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में शुक्रवार, 29 नवम्बर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जिला स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियां इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। रोजगार मेले में शामिल कम्पनी के अधिकारियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से युवाओं का रोजगार के लिए चयन किया जाएगा। इस अवसर पर युवाओं को कैरियर परामर्श भी प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर सुरेश कुमार ने रोजगार मेला के सफल आयोजन के लिए जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तथा जिला प्रबंधक कौशल उन्नयन एवं रोजगार, ग्रामीण आजीविका मिशन पन्ना कमल श्रीवास्तव को समन्वयकर्ता नियुक्त किया है। इसके अलावा अन्य विभागीय अधिकारियों को भी आवश्यक दायित्व सौंपा गया है।

रोगी कल्याण समिति के माध्यम से अशासकीय विशेषज्ञ चिकित्सकों को अनुबंधित करने के संबंध में आदेश जारी

पन्ना,देशबन्धु। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय चिकित्सालयों में स्थानीय रोगी कल्याण समिति के माध्यम से अशासकीय (निजी) विशेषज्ञ चिकित्सकों को अनुबंधित किये जाने के लिये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक तथा समस्त जिला चिकित्सालयों को आदेश जारी कर दिये हैं। आदेश अनुसार अनुबंध की अवधि एक वर्ष के लिये होगी, जिसे प्रदर्शन और पारस्परिक सहमति के आधार पर नवीनीकृत किया जा सकेगा।

आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी ने जिला चिकित्सालयों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण स्वास्थ्य सुविधाएँ तथा शल्य चिकित्सा आदि प्रभावित होने के दृष्टिगत शासकीय चिकित्सालयों में जहाँ पर विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद स्वीकृत होकर रिक्त हैं तथा उक्तानुसार चिकित्सीय सेवा प्रदायगी के लिये समुचित संसाधन उपलब्ध हैं, वहाँ रोगी कल्याण समिति के माध्यम से (बिना आउटसोर्स एजेंसी) प्रति केस के मान से भुगतान (मासिक आधार पर) प्रावधानित कर अशासकीय (निजी) विशेषज्ञ चिकित्सकों को अनुबंधित किये जाने के लिये कहा है। विशेषज्ञ चिकित्सकों को अनुबंधित किये जाने के लिये भारतीय चिकित्सा परिषद या राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त वैध चिकित्सा डिग्री और विशेषज्ञता योग्यता होनी चाहिये। विशेषज्ञ चिकित्सक का राज्य में चिकित्सीय प्रेक्टिस के लिये मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद का वैध जीवित पंजीकरण संख्या और लायसेंस होना अनिवार्य है। चिकित्सक के विरुद्ध व्यावसायिक कदाचार (चिकित्सीय सेवा) से संबंधित कोई भी न्यायिक प्रकरण लंबित नहीं होना चाहिये और विशेषज्ञ का अपनी विधा में कार्य किये जाने का न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है।

युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ एक जनवरी से

पन्ना, देशबन्धु। युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और उनके कौशल उन्नयन के लिये 'युवा शक्ति मिशन' का शुभारंभ नववर्ष एक जनवरी 2025 से किया जाएगा। इस मिशन का उद्देश्य प्रदेश के विकास में युवाओं की व्यापक क्षमताओं का उपयोग करना है। युवा शक्ति मिशन की परिकल्पना युवाओं में शिक्षा, कौशल विकास और सामुदायिक सेवा जैसे प्रमुख नेतृत्व गुणों को विकसित कर उन्हें सक्षम बनाना है, जिससे वे सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। मिशन के माध्यम से युवाओं को नेतृत्व सक्षम बनाने के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर भी प्रदान किया जाएगा। युवाओं को सुशिक्षित कर व्यावसायिक रूप से कुशल बनाने का लक्ष्य है। इस मिशन में युवाओं में व्यावसायिक कौशल को आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग करते हुए इस तरह उन्नत बनाया जाएगा, जिससे वे न सिर्फ अच्छे वेतन वाले रोजगार प्राप्त कर सकें, अपितु सफल उद्यमी बन अर्थव्यवस्था के विकास में भी अपना योगदान दे सकें। मिशन के अंतर्गत सरकार ने उद्योगों और व्यावसायिक संस्थानों के साथ सहयोग करते हुए युवाओं के लिए रोजगार के विभिन्न रास्ते बनाए हैं।

साथ ही युवाओं में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन देकर उन्हें स्वरोजगार के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। 'युवा शक्ति मिशन' के परिणाम स्वरूप युवा नौकरी के स्थान पर नौकरी देने वाले उद्यमी बन सकेंगे। मिशन के क्रियान्वयन का प्रमुख पहलू युवाओं में नेतृत्व विकास है। इसके लिए युवाओं को शासन और सामुदायिक सेवा में शामिल करके उनमें सक्षम तथा कुशल नेतृत्व के गुण विकसित किए जाएंगे। 'युवा शक्ति मिशन' के सफल क्रियान्वयन में आधुनिक तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कौशल विकास के पाठ्यक्रम युवाओं को सहजता से उपलब्ध हो सकें और वह उन्हें आसानी से समझ सकें, इसके लिए सरकार ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म लॉन्च किए हैं। इसका लाभ यह भी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवाओं को इसकी सुविधाएं समान रूप से सुलभ होंगी।

अंतरिक्ष यान व जुरासिक पार्क नजर आया एग्जीबिशन में

शहडोल, देशबन्धु। कॉर्मेल कान्वेंट स्कूल अमलाई की वाइस प्रिंसिपल सिस्टर एलिस एवं पीआरओ विभा राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार हर स्कूलों के लिए बच्चों के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

यही कारण है कि आज नन्हे मुन्ने बच्चों का दिमाग जमीनी स्तर से लेकर अंतरिक्ष यान तक पहुंच चुका है। ऐसा ही शहडोल जिले की कॉर्मेल कान्वेंट स्कूल अमलाई के बच्चों ने कर दिखाया जो गांव से लेकर शहर तक के विकास को अपने हाथों की कला से बनाया और दिखाया भी जिसने भी यह देखा वह दंग रह गए। कही न कही बच्चों का दिमाग अब जमीनी स्तर से लेकर अंतरिक्ष यान तक पहुंच चुका है वही कार्मेल कान्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में हर 04 साल में आयोजित साइंस एग्जीबिशन का पुन: आयोजन किया गया था। जहाँ स्कूल के शिक्षकों के दिशा निर्देश में इस कार्यक्रम की तैयारी बहुत ही उत्साह के साथ क्लास नर्सरी से लेकर बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने किया था। बच्चों के माता-पिता ने भी इसमें बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके सहयोग से यह कार्यक्रम बहुत ही सुंदर तरीके से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कक्षा नर्सरी और के.जी. वन के बच्चों ने जंगल बुक और जंगल के लाइफ को दिखाया। जुरासिक पार्क को केजी. टू ने तो कक्षा प्रथम व द्वितीय ने स्नो वर्ल्ड को दिखाया। तीसरी से पांचवी तक कक्षा के बच्चों ने प्लैनेटेरियम हिंदी साहित्य साइंस कॉर्नर एवं आर्ट का भी प्रदर्शन किया। 06 से 12 तक के बच्चों ने विषय को चुनकर अपनी बेहतरीन बुद्धिमता का परिचय दिया है जिसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के प्रोजेक्ट्स बिल्कुल नवीनता लिए हुए हमारे जूनियर वैज्ञानिक सामने आए हैं। समाज विज्ञान से हिटलर का गैस चैंबर बार्टर सिस्टम इकोनॉमिक्स में तथा मुद्रा का डेवलपमेंट को बहुत ही बेहतरीन तरीके से बच्चों ने दिखलाया ! मनमोह लेने वाला योगा कॉर्नर और हिंदी साहित्य का इतिहास जहां मिडिल क्षेत्र के बच्चों ने एवं हाई स्कूल के बच्चों ने अपने प्रतिभा का परिचय दिया। भारत कॉर्नर में विभिन्न खेलों का परिचय एवं म्यूजिक कॉर्नर में अपने प्रतिभा का परिचय देते हुए बच्चों ने गाने का आयोजन किया और जिन्हें गाने में रुचि है उन्होंने भी वहां गाना गाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। हिंदी मीडियम जो विद्यालय द्वारा संचालित है। उसमें भी मिडिल स्कूल के बच्चों ने अपने प्रतिभा का परिचय दिया है, कि वे आने वाले भविष्य के निर्माता है जो भारत का भविष्य निश्चित करेंगे। विद्यालय की मैनेजर सिस्टर जैस्मीन, प्रिंसिपल सिस्टर एन्सी एवं समस्त स्टाफ ने बच्चों की सफलता पर उन्हें बधाईयां दी और बच्चों के माता पिता की सराहना की है।

आज से शुरू होगा हम होंगे कामयाब पखवाड़ा

पन्ना, देशबन्धु। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए संचालित किए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब पखवाड़ा 25 नवम्बर से शुरू होगा। बेटियों और बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने तथा सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी के अलावा समाज के हर व्यक्ति में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण अभियान संचालित किया जा रहा है। इसमें पुरूष वर्ग की भूमिका ज्यादा अहम है।

पुरूष अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव लाकर समाज में फैले नकारात्मक दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, जो महिलाओं के प्रति हिंसा का मुख्य कारण है। पुरूषों की महती जिम्मेदारी है कि वे अपने समाज और परिवार में अपनी माता-बहनों को सुरक्षित रखें और उनकी चिंता करें। साथ ही बेटियों के साथ शारीरिक हिंसा या शोषण न हो, इसकी चिंता भी करें और उन्हें अपने बराबर का समझें। यह भी आवश्यक है कि माता-पिता अपने बच्चों को जागरूक करें और महिलाओं पर होने वाली हिंसा का विरोध करें। साथ ही समाज और परिवार में सभी समानता का माहौल बनाएं। बेटे-बेटी और महिला- पुरूष का भेदभाव समाप्त होना चाहिए। महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए समाज, सरकार और कानून सभी का समान रूप से सहयोग आवश्यक है। तभी हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकेंगे। जहां हर महिला और हर बहन सुरक्षित होगी और अपने सपनों को साकार कर सकेगी। यदि किसी को मदद की जरूरत हो तो तुरंत चाइल्ड लाइन 1098 या महिला हेल्पलाइन 181 पर डायल कर सकते हैं। डायल 100 पर भी सम्पर्क कर मदद ली जा सकती है।

होंगी अनेक जागरुकता गतिविधियां

हम होंगे कामयाब पखवाड़े में लगातार 15 दिन विभिन्न विभागों के समन्वय से जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। पखवाड़े के प्रथम दिन राज्य स्तरीय दो दिवसीय जेंडर संवेदीकरण कंसल्टेशन कार्यक्रम होगा, जिसमें सभी जिलों के संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी वर्चुअल शामिल होंगे।

जिला मजिस्ट्रेट ने कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के पालन के संबंध में जारी किया आदेश

ध्वनि प्रदूषण उड़नदस्ता दल का गठन

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार ने मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर पन्ना जिले की सीमा क्षेत्र में अधिनियम का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किए हैं। आदेश के उल्लंघन पर संबंधित के विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि उच्च एवं उच्चतम न्यायालय तथा राष्ट्रीय हरित अधिकरण के दिशा निर्देशों, ध्वनि प्रदूषण विनियम और नियंत्रण नियम 2000 और म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के प्रावधानों के परिपालन और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 13 दिसम्बर 2023 को भी आवश्यक निर्देश जारी किए गए थे, जिसके तहत दिन एवं रात्रि में औद्योगिक क्षेत्र में अधिकतम अनुमत्य ध्वनि सीमा क्रमश: 75 एवं 70 डेसीबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में 65 एवं 55 डेसीबल, रहवासी क्षेत्र में 55 एवं 45 डेसीबल और साइलेंट जोन में 50 एवं 40 डेसीबल निर्धारित है।

इस संबंध में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा ध्वनि सीमा मानक का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित मापदण्डों से अधिक उपयोग पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग पूर्णत: प्रतिबंधित कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने के लिए जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि पुलिस थानावार उड़नदस्ता दल का गठन भी किया गया है। पन्ना, देवेन्द्रनगर, मड़ला और बृजपुर थाना के लिए अनुविभागीय मजिस्ट्रेट पन्ना एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पन्ना को उड़नदस्ता दल का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि अजयगढ़ एवं धरमपुर थाना के लिए अनुविभागीय मजिस्ट्रेट अजयगढ़ एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अजयगढ़ को, गुनौर, अमानगंज, सलेहा एवं सुनवानी थाना के लिए अनुविभागीय मजिस्ट्रेट गुनौर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गुनौर को, पवई एवं सिमरिया थाना के लिए अनुविभागीय मजिस्ट्रेट पवई एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पवई को तथा शाहनगर एवं रैपुरा थाना के लिए अनुविभागीय मजिस्ट्रेट शाहनगर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शाहनगर को उड़नदस्ता प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है।

लोक निर्माण विभाग ने वर्ष 2024-25 में बनाए करोड़ों की लागत से गुणवत्तायुक्त भवन

उमरिया, देशबन्धु। जिले में कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग व्दारा वर्ष 2024-25 में करोड़ो रूपये की लागत से सर्व सुविधायुक्त गुणवत्तायुक्त भवनों का निर्माण किया गया है । वर्ष 2024 में राजस्व विभाग अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी भवन पाली का निर्माण किया गया है, जिसकी लागत 115.50 लाख रूपये है । कार्य पूर्णता दिनांक 30 जून 2024 है । भवन में एसडीएम कोर्ट, एसडीएम चेंबर, सर्व सुविधा युक्त कम्प्यूटर रूम, सिटीजन सर्विस, बैठक रूम, रूम, रिकार्ड रूम, महिला एवं पुरूषों के लिए अलग अलग टायलेट की व्यवस्था है । लोक शिक्षण , स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत करकेली विकासखण्ड में नवीन हाई स्कूल भवन तामानारा में बनाया गया है जिसकी लागत 238.82 लाख है । कार्य पूर्णता दिनांक 30 जून है । स्कूल भवन में चार क्लास रूम, कम्प्यूटर रूम, आर्टस एंड क्राफ्ट रूम, साइंस लैब, लाईब्रेरी , स्टोर रूम, प्रिंसिपल रूम, गर्ल्स, टायलेट, ब्यायज टायलेट तथा हाल का निर्माण किया गया है ।

इसी तरह विधि विधायी विभाग अंतर्गत मानपुर विकासखण्ड में एडीआर मीडिएशन सेंटर का निर्माण कार्य किया गया है जिसकी लागत 62.04 लाख रूपये है । कार्य पूर्णता दिनांक 30 जून 2024 है । एडीआर, मीडिएशन सेंटर में दो आफिस रूम, आफिस हाल, वेटिंग एरिया, एडवाईजर रूम, टायलेट महिला एवं पुरूष के लिए बनाए गए है । आदिवासी विभाग अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुंदरदादर मे 6 अतिरिक्त कक्ष का निर्माण किया गया है जिसकी लागत 280.26 लाख रूपये है । कार्य पूर्णता दिनांक 30 सितंबर 2024 है । जिसमें केमेस्ट्री लैब, लाईब्रेरी, बायो लैब, फिजिक्स , कम्प्यूटर रूम, क्लास रूम, स्मार्ट क्लास, टायलेट की सुविधा उपलब्ध है । इसी प्रकार कन्या उमावि पाली मे 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण किया गया है जिसकी लागत 375.91 लाख रूपये है । कार्य पूर्णता दिनांक 30 सितंबर 2024 है, जिसमें केमेस्ट्री लैब, लाईब्रेरी, बायो लैब, फिजिक्स, कम्प्यूटर रूम, क्लास रूम, स्मार्ट क्लास, टायलेट की सुविधा उपलब्ध है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खिचकिड़ी मे 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य किया गया है जिसकी लागत 376.72 लाख रूपये है । कार्य पूर्णता दिनांक 30 सितंबर है जिसमें केमेस्ट्री. लैब, लाईब्रेरी, बायो लैब, फिजिक्स, कम्प्यूटर रूम, क्लास रूम, स्मार्ट क्लास, टायलेट की सुविधा उपलब्ध है। इसी प्रकार आदिवासी विभाग अंतर्गत 50 सीटर सीनियर बालक छात्रावास करकेली का निर्माण किया गया है जिसकी लागत राशि 392.37 लाख रूपये है । कार्य पूर्णता दिनांक 30 सितंबर है । जिसमें 16 नग रूम, वार्डन रूम, कम्प्यूटर रूम, सर्विस रूम, डायनिंग रूम, स्मार्ट क्लास, टायलेट की सुविधा है । इसी प्रकार 50 सीटर सीनियर बालक छात्रावास पाली का निर्माण किया गया है जिसकी लागत राशि 423.67 लाख रूपये है । कार्य पूर्णता दिनांक 30 सितंबर 2024 है । जिसमें 16 नग रूम, वार्डन रूम, कम्प्यूटर रूम, सर्विस रूम, डायनिंग रूम, स्मार्ट क्लास, टायलेट की सुविधा है ।

इसी तरह 50 सीटर सीनियर बालक बालक छात्रावास चौरी का निर्माण किया गया है जिसकी लागत राशि 333.31 लाख रूपये है । कार्य पूर्णता दिनांक 30 सितंबर है । छात्रावास में 16 नग रूम, वार्डन रूम, कम्प्यूटर रूम, सर्विस रूम, डायनिंग रूम, स्मार्ट क्लास, टायलेट की सुविधा है । करकेली विकासखण्ड वार्ड क्रमांक 6/7 में आंगनबाडी केंद्र भवन का निर्माण कार्य किया गया है जिसकी लागत राशि 38.26 लाख रूपये है । कार्य पूर्णता दिनांक 10 अप्रैल 2024 है । जिसमें क्लास रूम, एक्टिविटी रूम, यूरीनल, वाटर कूलर, किचन, सैड पिट स्टोर की सुविधा उपलब्ध है ।

सिलपीडी के जंगल से ठाडपथरा पहुंचा बाघ, ट्रैप कैमरे की बदलनी पड़ रही लोकेशन

डिंडोरी, देशबन्धु। जिले के वन परिक्षेत्र दक्षिण समनापुर के रंजरा और बंजरा वन ग्राम में तीन दिन डेरे बाघ ने अपना एरिया बदल दिया है। शुक्रवार की सुबह उसका मूवमेंट पश्चिम करंजिया रेंज अंतर्गत वन ग्राम ठाडपथरा के आस-पास रहा है। इस दौरान बाघ ने बस्ती के अंदर सड़क किनारे एक मवेशी का शिकार कर उसे घसीटते हुए गांव के बाहर ले गया। मवेशी मालिक संभर पिता गुलौआ गौंड निवासी ठाडपथरा ने बताया कि सुबह पांच बजे उसकी बछिया घर के सामने बैठी थी। इसी दौरान बाघ ने बछिया पर हमला कर दिया और घसीट के खेत की तरफ ले गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची फारेस्ट टीम ने नुकसानी पंचनामा तैयार करके मुआवजा कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके पूर्व गुरुवार की शाम बाघ सिलपीडी के जंगल में देखा गया था। कयास लगाए, जा रहे हैं कि बाघ सिलपीडी होते हुए ठाडपथरा की तरफ रुख किया है। बाघ की सुरक्षा और क्षेत्र में सतर्कता बरतने आठ आठ घण्टों की पाली में वन अमला और वन रक्षा समिति सदस्य निगरानी कर रहे हैं। वन अधिकारी भी संजीदगी बरतते हुए वन्यजीवों के मूवमेंट की जानकारी ले रहे हैं। वहीं चार जंगली हाथियों का मूवमेंट पश्चिम करंजिया के वन क्षेत्र में लगातार बना हुआ है। गुरुवार तक चकरार और ठाडपथरा के बाद शुक्रवार को हाथियों के झुंड ने पंडरीपानी के जंगलों की तरफ पलायन किया है। इसके पूर्व जंगली हाथियों ने चकरार गांव में सुंगकू पिता रंगसू, भंवर पिता ज्ञान सिंह गौंड, पंचम पिता नन्हू, प्रमिला पिता नारायण, सुखदेन पिता धनेश्वर और भज्जू पिता जगत गौंड की धान की फसल को नुकसान पहुंचाया है।

ट्रैप कैमरों की लोकेशन बदली- बाघ के रंजरा से पलायन करके 15 किलोमीटर दूर ठाडपथरा पहुंचने के बाद अब ट्रैप कैमरों की ठाडपथरा में शिकार वाली लोकेशन पर स्थापित किया गया है। इन कैमरों की मदद से बाघ की उम्र, सेहत, आदतें और अन्य शारिरक जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

इनका कहना है

बाघ और हाथियों की मौजूदगी पश्चिम करंजिया रेंज में ही है। बाघ की निगरानी के लिए विशेष दस्ता तैनात किया गया है। बाघ ने ठाडपथरा गांव में मवेशी का शिकार किया है। वन्यजीव की निगरानी के साथ ग्रामीणों को कोई नुकसान न हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

प्राची मिश्रा, रेंजर वन परिक्षेत्र पश्चिम करंजिया